Daily Current Affairs
31 August 2026

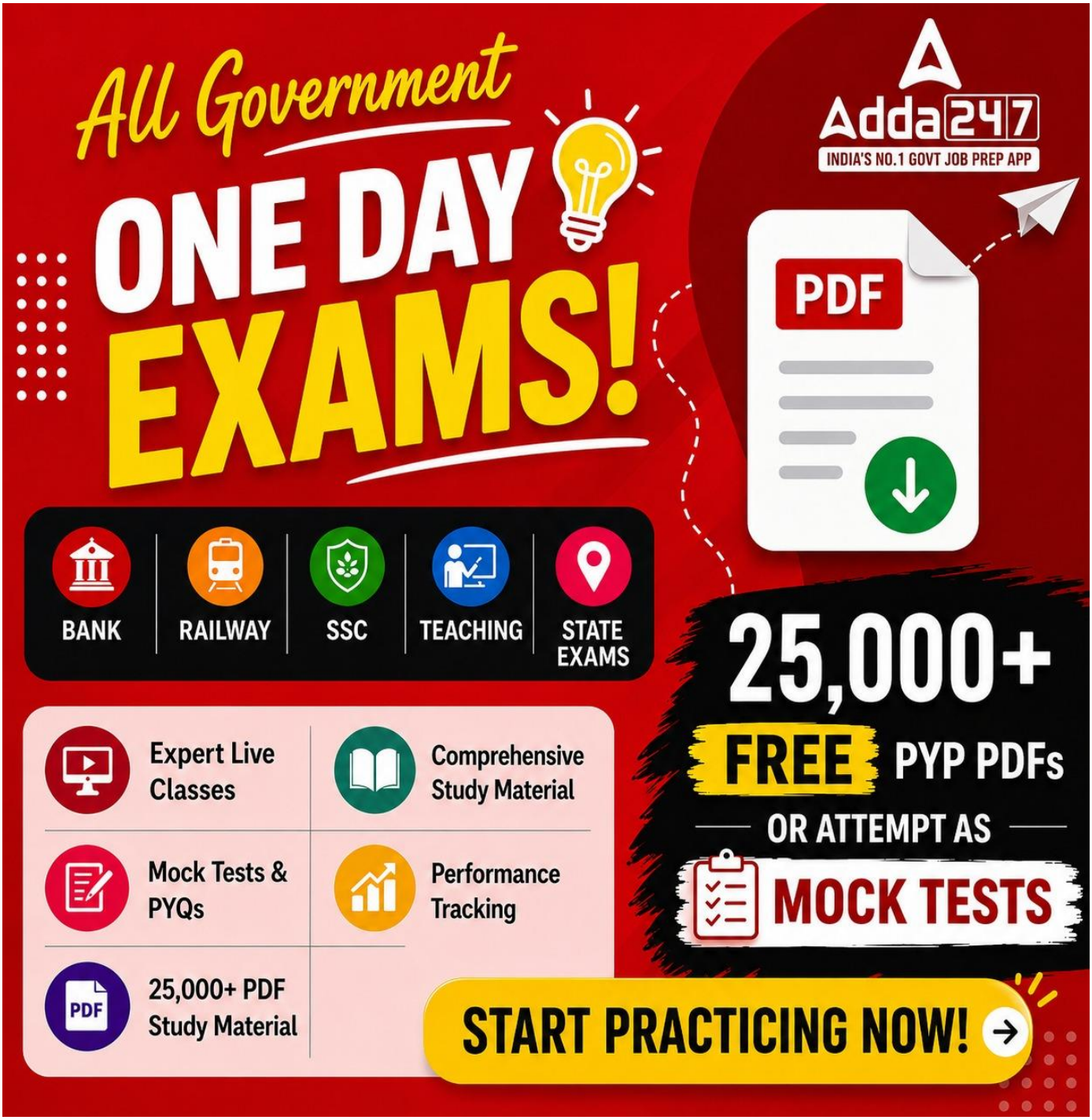

Daily Current Affairs Quiz 31 August 2026

Q1. 31 जुलाई 2026 तक, भारत की स्थापित गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित बिजली क्षमता किस मील के पत्थर तक पहुंच गई?

(a) 250.50 GW
(b) 275.25 GW
(c) 300.50 GW
(d) 325.75 GW

Ans.(c)

Sol. सही उत्तर (C) 300.50 GW है।

व्याख्या:

• 31 जुलाई 2026 तक, भारत ने कुल 300.50 GW स्थापित गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित बिजली उत्पादन क्षमता हासिल करके अपने स्वच्छ ऊर्जा प्रक्षेपवक्र में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर पार कर लिया।

• इस गैर-जीवाश्म क्षमता में सौर पीवी, पवन ऊर्जा, बायोमास, वेस्ट-टू-एनर्जी, छोटी जलविद्युत, बड़ी जलविद्युत परियोजनाओं और परमाणु ऊर्जा प्रतिष्ठानों में स्थापित बुनियादी ढांचा शामिल है।

• 300 GW की सीमा को पार करना विश्व स्तर पर सबसे तेजी से बढ़ते नवीकरणीय ऊर्जा बाजारों में से एक के रूप में भारत की स्थिति को रेखांकित करता है, जो 2030 के लिए निर्धारित 500 GW लक्ष्य की ओर लगातार बढ़ रहा है।

• सरलीकृत भूमि अधिग्रहण नीति और सुव्यवस्थित ग्रिड पहुंच द्वारा समर्थित, राज्य और निजी बिजली उत्पादकों द्वारा त्वरित परियोजना चालू करने ने इस तीव्र क्षमता विस्तार को सक्षम बनाया।

• 300.50 GW से अधिक हासिल करना यह सुनिश्चित करता है कि स्वच्छ ऊर्जा स्रोत राष्ट्रीय बिजली ग्रिड में कुल बिजली उत्पादन बुनियादी ढांचे का एक बड़ा हिस्सा हैं।

Information Booster:

• राष्ट्रीय लक्ष्य: भारत का लक्ष्य 2030 तक 500 GW गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता हासिल करना है, जैसा कि उसके अंतर्राष्ट्रीय पंचामृत लक्ष्यों के तहत प्रतिज्ञा की गई है।

• स्थापित क्षमता घटक: इसमें सौर ऊर्जा (~164.59 GW), पवन ऊर्जा, जलविद्युत परियोजनाएं, परमाणु सुविधाएं और जैव ऊर्जा इकाइयां शामिल हैं।

• केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (CEA): विद्युत मंत्रालय के तहत वैधानिक संगठन जो भारत में बिजली प्रणाली योजना, उत्पादन आंकड़ों और तकनीकी ग्रिड मानकों की निगरानी करता है।

• अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA): दुनिया भर में सौर प्रौद्योगिकी की तैनाती को बढ़ावा देने के लिए पेरिस में COP21 में भारत और फ्रांस द्वारा शुरू की गई संयुक्त पहल।

Additional Knowledge:

• विकल्प A (250.50 GW): हाल ही में उपयोगिता-स्तरीय सौर और पवन परियोजना के चालू होने से पहले हासिल किए गए पहले के गैर-जीवाश्म मील के पत्थर का प्रतिनिधित्व करता है।

• विकल्प B (275.25 GW): गलत मध्यवर्ती आंकड़ा; 2025 की शुरुआत में दर्ज गैर-जीवाश्म स्थापित क्षमता का प्रतिनिधित्व करता है।

• विकल्प D (325.75 GW): 31 जुलाई 2026 तक 300.50 GW के दर्ज स्थापित आंकड़े से अधिक है, जो भविष्य के क्षमता अनुमानों का प्रतिनिधित्व करता है।

Q2. कौन सी योजना भारत में सौर पीवी मॉड्यूल जैसे क्षेत्रों में घरेलू विनिर्माण का समर्थन करती है?

(a) उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना

(b) राष्ट्रीय स्वच्छ ऊर्जा कोष

(c) उजाला योजना

(d) पीएम-कुसुम योजना

Ans.(a)

Sol. सही उत्तर (A) उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना है।

व्याख्या:

• उच्च दक्षता वाले सौर पीवी मॉड्यूल के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (PLI) योजना सौर आपूर्ति श्रृंखला में घरेलू विनिर्माण क्षमता का निर्माण करने के लिए डिज़ाइन की गई भारत की प्रमुख वित्तीय प्रोत्साहन नीति है।

• नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (MNRE) द्वारा प्रशासित, PLI योजना पूर्ण एकीकृत सौर विनिर्माण इकाइयों (पॉलीसिलिकॉन, इनगॉट्स, वेफर्स, सेल्स और मॉड्यूल को कवर करने वाले) की स्थापना को प्रोत्साहित करती है।

• घरेलू बिक्री और दक्षता सीमाओं के आधार पर प्रदर्शन से जुड़े वित्तीय लाभ प्रदान करके, योजना का उद्देश्य विदेशी सौर उपकरणों पर भारत की आयात निर्भरता को कम करना है।

• PLI ढांचा स्वच्छ प्रौद्योगिकी विनिर्माण में आत्मनिर्भरता (आत्मनिर्भर भारत) को मजबूत करता है, कुशल औद्योगिक नौकरियां पैदा करता है, और हरित निर्यात क्षमता को बढ़ाता है।

• आयातित सौर सेल और मॉड्यूल पर बुनियादी सीमा शुल्क (BCD) जैसे सीमा शुल्क उपायों के साथ मिलकर, PLI योजना ने घरेलू गीगाफैक्ट्रियों में निजी निवेश को तेज किया है।

Information Booster:

• PLI योजना का दायरा: इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मास्यूटिकल्स, ऑटोमोटिव, एडवांस्ड केमिस्ट्री सेल (ACC) बैटरी और सौर पीवी मॉड्यूल सहित 14 प्रमुख रणनीतिक क्षेत्रों में शुरू किया गया।

• मॉडलों और निर्माताओं की स्वीकृत सूची (ALMM): नीतिगत जनादेश जिसमें सरकार द्वारा वित्त पोषित सौर परियोजनाओं को विशेष रूप से ALMM-प्रमाणित घरेलू सुविधाओं से मॉड्यूल प्राप्त करने की आवश्यकता होती है।

• राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन: लक्षित वित्तीय प्रोत्साहनों के माध्यम से घरेलू इलेक्ट्रोलाइज़र विनिर्माण क्षमता स्थापित करने के उद्देश्य से पूरक योजना।

• मेक इन इंडिया पहल: भारत को वैश्विक विनिर्माण और डिजाइन हब में बदलने के लिए 2014 में शुरू किया गया व्यापक राष्ट्रीय अभियान।

Additional Knowledge:

• विकल्प B (राष्ट्रीय स्वच्छ ऊर्जा कोष): स्वच्छ ऊर्जा अनुसंधान और पर्यावरणीय परियोजनाओं को वित्त पोषित करने के लिए कोयले पर कार्बन कर (स्वच्छ ऊर्जा उपकर) का उपयोग करके 2010 में बनाया गया।

• विकल्प C (उजाला योजना): उन्नत ज्योति बाय अफोर्डेबल एलईडी फॉर ऑल; किफायती एलईडी बल्ब, ट्यूब लाइट और ऊर्जा-कुशल पंखों के व्यापक वितरण के माध्यम से ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देने पर केंद्रित है।

• विकल्प D (पीएम-कुसुम योजना): प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान; कृषि जल पंपों और ग्रिड से जुड़े सौर ऊर्जा संयंत्रों को सौर ऊर्जा से संचालित करके किसानों को ऊर्जा सुरक्षा प्रदान करने का लक्ष्य रखता है।

Q3. 2025-26 में भारत का नवीकरणीय बिजली उत्पादन कितना पहुंच गया?

(a) 377.79 बिलियन यूनिट

(b) 427.79 बिलियन यूनिट

(c) 477.79 बिलियन यूनिट

(d) 527.79 बिलियन यूनिट

Ans.(c)

Sol. सही उत्तर (C) 477.79 बिलियन यूनिट है।

व्याख्या:

• आधिकारिक वार्षिक बिजली क्षेत्र के प्रदर्शन आंकड़ों ने संकेत दिया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान भारत का नवीकरणीय बिजली उत्पादन बढ़कर 477.79 बिलियन यूनिट (BU) हो गया।

• यह बेहतर पारेषण उपलब्धता के साथ-साथ भारी सौर और पवन क्षमता परिवर्धन द्वारा संचालित स्वच्छ बिजली उत्पादन में पर्याप्त वृद्धि का प्रतिनिधित्व करता है।

• बढ़ा हुआ नवीकरणीय उत्पादन दिन के समय की पीक बिजली मांगों को पूरा करने, कोयला आधारित तापीय उत्पादन की भरपाई करने और जीडीपी की प्रति इकाई ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

• यह वृद्धि प्रमुख राज्यों में तैनात उपयोगिता-स्तरीय सौर पार्कों, रूफटॉप सौर पहलों और विस्तारित अपतटीय/तटीय पवन परियोजनाओं के प्रभाव को दर्शाती है।

• उन्नत ऊर्जा भंडारण प्रणालियों (BESS) और पंप्ड हाइड्रो परियोजनाओं ने केंद्रीय राष्ट्रीय ग्रिड में परिवर्तनशील नवीकरणीय उत्पादन के एकीकरण में और सुधार किया है।

Information Booster:

• बिलियन यूनिट (BU): 1 BU 1 TWh (टेरावाट-घंटा) या उत्पन्न विद्युत ऊर्जा के 1 बिलियन किलोवाट-घंटे (kWh) के बराबर होता है।

• पीएम-सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना: 1 करोड़ घरों में रूफटॉप सोलर सिस्टम स्थापित करने के लिए सब्सिडी सहायता प्रदान करने वाली एक केंद्रीय योजना, जो स्थानीयकृत स्वच्छ बिजली पैदा करती है।

• नवीकरणीय खरीद दायित्व (RPO): वितरण लाइसेंसधारियों (DISCOMs) के लिए नवीकरणीय स्रोतों से न्यूनतम निर्दिष्ट प्रतिशत बिजली खरीदने के लिए अनिवार्य कानूनी दायित्व।

• ऊर्जा मिश्रण संक्रमण: भारत के समग्र ऊर्जा उत्पादन मैट्रिक्स में स्वच्छ बिजली उत्पादन का हिस्सा बढ़ रहा है, जो देश की जलवायु प्रतिबद्धताओं का समर्थन करता है।

Additional Knowledge:

• विकल्प A (377.79 बिलियन यूनिट): गलत निचला आंकड़ा; पिछले आधारभूत प्रदर्शन वर्षों में दर्ज किए गए स्वच्छ उत्पादन आंकड़ों का प्रतिनिधित्व करता है।

• विकल्प B (427.79 बिलियन यूनिट): गलत मध्यवर्ती आंकड़ा; वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए दर्ज कुल नवीकरणीय उत्पादन को कम आंकता है।

• विकल्प D (527.79 बिलियन यूनिट): गलत उच्च आंकड़ा; वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए रिपोर्ट किए गए वास्तविक उत्पादन आंकड़ों के बजाय संभावित भविष्य के लक्ष्यों को प्रस्तुत करता है।

Q4. भारत में गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित बिजली उत्पादन के तहत निम्नलिखित में से कौन-से ऊर्जा संसाधन शामिल हैं?

1. सौर ऊर्जा
2. पवन ऊर्जा
3. जलविद्युत
4. परमाणु ऊर्जा

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए:

(a) केवल 1, 2 और 3

(b) केवल 1, 3 और 4

(c) केवल 2, 3 और 4

(d) 1, 2, 3 और 4

Ans.(d)

Sol. सही उत्तर (D) 1, 2, 3 और 4 है।

व्याख्या:

• कथन 1 सही है: सौर ऊर्जा बिना जीवाश्म ईंधन दहन के सूर्य के प्रकाश को सीधे बिजली में बदलने के लिए फोटोवोल्टिक तकनीक या केंद्रित सौर ऊर्जा का उपयोग करती है।

• कथन 2 सही है: पवन ऊर्जा टर्बाइनों का उपयोग करके पवन धाराओं से गतिज ऊर्जा प्राप्त करती है, जिससे संचालन के दौरान शून्य प्रत्यक्ष कार्बन उत्सर्जन होता है।

• कथन 3 सही है: जलविद्युत (छोटी जलविद्युत परियोजनाएं और बड़े जलविद्युत बांध दोनों) बहते पानी का उपयोग करके बिजली उत्पन्न करती है, जिससे यह एक प्रमुख गैर-जीवाश्म नवीकरणीय ऊर्जा घटक बन जाती है।

• कथन 4 सही है: परमाणु ऊर्जा उच्च घनत्व वाली बिजली उत्पन्न करने के लिए यूरेनियम/थोरियम के परमाणु विखंडन का उपयोग करती है; चूंकि यह हाइड्रोकार्बन ईंधन को जलाए बिना संचालित होती है, इसलिए इसे गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता के तहत वर्गीकृत किया गया है।

• साथ में, सौर, पवन, जल, जैव ऊर्जा और परमाणु ऊर्जा मिलकर भारत के गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता पोर्टफोलियो का निर्माण करते हैं, जो 2030 तक 500 GW गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता हासिल करने के लक्ष्य का समर्थन करते हैं।

Information Booster:

• वर्गीकरण अंतर: 'नवीकरणीय ऊर्जा' में पारंपरिक रूप से सौर, पवन, बायोमास और जलविद्युत शामिल हैं, जबकि 'गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता' में सभी नवीकरणीय ऊर्जा के साथ-साथ परमाणु ऊर्जा भी शामिल है।

• बड़ी जलविद्युत परियोजनाओं का पुनर्वर्गीकरण: 2019 में, भारत सरकार ने आधिकारिक तौर पर बड़ी जलविद्युत परियोजनाओं (>25 MW) को नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के रूप में पुनर्वर्गीकृत किया, जो गैर-जीवाश्म रिपोर्टिंग तंत्र के अनुरूप है।

• परमाणु ऊर्जा नोडल निकाय: न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (NPCIL) परमाणु ऊर्जा विभाग (DAE) के तहत भारत में वाणिज्यिक परमाणु ऊर्जा संयंत्रों का संचालन करता है।

• तीन-चरणीय परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम: डॉ. होमी जे. भाभा द्वारा प्रेशराइज्ड हैवी वाटर रिएक्टर्स (PHWRs), फास्ट ब्रीडर रिएक्टर्स (FBRs) और एडवांस्ड हैवी वाटर रिएक्टर्स (AHWRs) के माध्यम से भारत के विशाल थोरियम भंडारों का उपयोग करने के लिए तैयार किया गया।

Additional Knowledge:
• विकल्प A (केवल 1, 2 और 3): गलत क्योंकि इसमें परमाणु ऊर्जा शामिल नहीं है, जिसे स्पष्ट रूप से गैर-जीवाश्म ऊर्जा संसाधनों के तहत वर्गीकृत किया गया है।
• विकल्प B (केवल 1, 3 और 4): गलत क्योंकि पवन ऊर्जा गैर-जीवाश्म बिजली क्षमता का एक मुख्य घटक है।
• विकल्प C (केवल 2, 3 और 4): गलत क्योंकि भारत में गैर-जीवाश्म ऊर्जा उत्पादन में सौर ऊर्जा सबसे बड़ा योगदानकर्ता है।

Q5. 31 जुलाई 2026 तक भारत की गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित बिजली क्षमता के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
1. भारत की कुल स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता में गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित बिजली क्षमता का हिस्सा 54% से अधिक था।
2. सौर ऊर्जा भारत की गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित बिजली क्षमता का सबसे बड़ा घटक थी।
3. भारत की स्थापित सौर ऊर्जा क्षमता 164.59 GW थी।
उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3
Ans.(d)
Sol. सही उत्तर (D) 1, 2 और 3 है।
व्याख्या:
• कथन 1 सही है: 31 जुलाई 2026 तक, गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित क्षमता भारत की कुल स्थापित बिजली क्षमता के 54% से अधिक हो गई, जो ऊर्जा संक्रमण प्रतिबद्धताओं की दिशा में बड़ी प्रगति दर्शाती है।
• कथन 2 सही है: सौर ऊर्जा भारत के गैर-जीवाश्म बिजली पोर्टफोलियो के भीतर सबसे बड़ा व्यक्तिगत खंड है, जो पवन, बड़ी जलविद्युत और परमाणु क्षमता से आगे है।
• कथन 3 सही है: आधिकारिक ऊर्जा आंकड़ों ने 31 जुलाई 2026 तक भारत की कुल स्थापित सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता लगभग 164.59 GW दर्ज की।
• गैर-जीवाश्म क्षमता की ओर रणनीतिक प्रयास पेरिस समझौते के तहत प्रस्तुत भारत के अद्यतन राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (NDCs) के अनुरूप है।
• बड़े पैमाने पर ग्रिड अवसंरचना वृद्धि, नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों और फ्लोटिंग सौर पार्कों ने राजस्थान और गुजरात जैसे प्रमुख संसाधन-समृद्ध राज्यों में क्षमता स्थापना में काफी तेजी लाई है।
Information Booster:
• COP26 प्रतिबद्धताएं (पंचामृत लक्ष्य): भारत ने 2030 तक 500 GW गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता हासिल करने और 2070 तक शुद्ध-शून्य कार्बन उत्सर्जन तक पहुंचने के लिए प्रतिबद्धता जताई है।
• राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन: नवीकरणीय बिजली क्षमता वृद्धि के साथ एकीकृत, 2030 तक प्रति वर्ष 5 मिलियन मीट्रिक टन (MMT) हरित हाइड्रोजन का उत्पादन करने का लक्ष्य रखा गया है।
• केंद्रीय नोडल एजेंसियां: भारतीय सौर ऊर्जा निगम (SECI) और भारतीय नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी (IREDA) परियोजना निविदा और वित्तीय सुविधा को आगे बढ़ाती हैं।
• ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर (GEC): बुनियादी ढांचा परियोजना जो उत्पादन केंद्रों से उपभोक्ता लोड केंद्रों तक बड़े पैमाने पर नवीकरणीय ऊर्जा के एकीकरण और ग्रिड संचरण की सुविधा प्रदान करती है।

Additional Knowledge:

• विकल्प A (केवल 1 और 2): गलत क्योंकि कथन 3 164.59 GW की स्थापित सौर ऊर्जा क्षमता के मील के पत्थर के संबंध में तथ्यात्मक रूप से सही है।

• विकल्प B (केवल 2 और 3): गलत क्योंकि कथन 1 कुल ग्रिड क्षमता के 54% से अधिक गैर-जीवाश्म हिस्से के संबंध में सटीक है।

• विकल्प C (केवल 1 और 3): गलत क्योंकि कथन 2 सौर ऊर्जा को सबसे बड़े नवीकरणीय ऊर्जा योगदानकर्ता के रूप में सटीक रूप से पहचानता है।